NEO Vision

Effort For Humanity...

EFFORTS FOR GOOD HEALTH EDUCATION, PEACE & PROSPERITY

Volume-1

Address: 221, Ashima Vihar,
C-5, Turner Road, Clement Town, Dehradun (Uttarakhand)

Contact: 9897341446, 9557220641

Email: neovisionngo@gmail.com

नीओ विजन फाउंडेशन

वर्ष 2013 में नीओ विजन ने अपना पहला कदम बढ़ाया था, बढ़ते - बढ़ते आज करीब 60 नन्हे कदमों संग आगे बढ़ रहा हैं। नीओ विजन फाउंडेशन, जिसने उन सपनों को साकार करने की राह उन्हें बताई जिनके आशियाने उन तंग गलियों में बसे हुए हैं । देहरादून, सहारनपुर चौक के पास बसे लखिबाग दरभंगा बस्ती नामक आबादी क्षेत्र, उन झुग्गीयों उन तंग गलियों से घिरा वो क्षेत्र जहां से नीओ विजन ने सपनों को जीना समझना सिखाया ।

यहां की सुबह की शुरुआत ही दौड़ भाग, काम की तलाश से होती है। मगर विडंबना ये थी छोटे बच्चे जिनके हाथों मैं किताब, पेन, खिलौने, आँखो मैं सपने होने चाहिए थे, वो भी मजदूरी कर रहे थे। उनसे मिलकर बड़ी कठिनाई से उनके परिवार वालों को पढ़ाई के लिए मनाना, उन्हें सरकारी स्कूल मैं दाखिला दिलवाना और सपनों के लिए कार्य करना कठिन था। मगर ईश्वर की पा से नीओ विजन सफल रहा ।आज करीब 60 बच्चों को नीओ विजन निशुल्क शिक्षा देकर उन्हें उनके सपनों को पूरा करने में साथ दे रहा है । जहां 8 शाल से 18 शाल तक के बच्चे अब शिक्षा की राह पर चल अपने सपनों के लिए मेहनत कर रहे है ।

आशा करते हैं , इन नन्ही आँखो मैं जो सपने बसे हैं । वो जरूर उन्हें हासिल करें ।

श्री गजेंद्र रमोला संस्थापक

वर्ष 2011 में ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी से मास्टर इन कंप्यूटर एप्लीकेशन की डिग्री हासिल कर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप मैं करियर की शुरुआत की। 21 वर्ष की आयु में ही गजेंद्र ने उन नन्ही आँखो में उन सपनों को पहचाना जो रोजी रोटी की तलाश में भटक रहे थे। अब उन्होंने सोच लिया था, उन बच्चों को बेहतर कल के लिए आज उनपर मेहनत करने का। उन तंग गलियों मैं जाना, उन बच्चों के परिवार से मिलना उन्हें पढ़ाई के लिए मनाना बड़ा मुश्किल था। मगर अब वो स्कूल जाने को , पढ़ाई करने को राजी थे । इसी का परिणाम नीओ विजन पाठशाला के रूप में सामने आया ।

आज गजेंद्र रमोला उन बच्चों के मार्ग दर्शक संग सबसे करीबी मित्र हैं । उनके साथ हर त्योहार मनाना, खेलना, घूमना आदि, बोला जाए तो ज्यादा समय बच्चों संग ही रहते हैं । आज नीओ विजन ने शिक्षा को बहुत सारे बच्चों और परिवारों की पहली आवश्यकता बना दिया है । आज सभी बच्चे हर सुबह अपनी माता - पिता की मुस्कान लेकर स्कूल को निकलते है, हर दिन छोटे - छोटे कदम बढ़ाकर सपनों की ओर बढ़ते हैं । और हर रोज शाम को लक्खीबाग दरभंगा बस्ती में ही किराये के दो छोटे कमरों में दो से तीन घण्टे चलने वाली नीओ विजन क्लास में पहुंचकर दोस्तों संग खेल - कूद, नाच - गाना और ट्यूशन लेते हैं ।

गजेंद्र का सपना है, ऐसे ही लाखों बच्चे है जो आज भी शिक्षा - समाज से बिछड़े हुए हैं। उन सभी को एक सूत्र में पिरोहकर आगे बढ़ना ।

‘‘आशा करते है, आपकी हर कोशिश, हर उन आंखों को उनके सपनों को जीना सिखाएगी ‘‘

श्री रोहित नौटियाल सचिव

पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर रोहित नौटियाल नीओ विजन के पहले कदम से ही साथ है । संस्थापक गजेंद्र रमोला और सचिव रोहित नौटियाल ने ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी से साथ ही पढ़ाई पूरी की। दोनों की दोस्ती, एक से सकारात्मक विचार और समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक करने के जुनून से ही नीओ विजन एक सकारात्मक परिणाम निकला। आज रोहित नौटियाल लंदन में अपने क्षेत्र में रिसर्च कर रहे हैं, मगर बच्चों के प्रति लगाव और झुकाव अभी भी भरपूर है। बच्चों की खुशी के लिए दोनों दोस्त हमेशा आगे रहते हैं। हर त्योहार नीओ विजन संग मनाना, अब तो एक परिवार बन चुका है । रोहित नौटियाल बच्चों को आगे बढ़ने के लिए मोटीवेट करते हैं । बच्चों को उनके पसंदीदा क्षेत्र जिसमे वो आगे बढ़ना चाहते है। उसकी जानकारी देकर, उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते है ।

बढ़ते कदम ।

आज नीओ विजन हर्ष के साथ बता सकता है कि वो अपने मुकाम की ओर दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है । मीना पासवान, गुंजा पासवान और मनीषा पासवान, ये तीन बालिकाएं आज नीओ विजन के बच्चों को ट्यूशन पढाकर उन्हें मार्ग दर्शन प्रदान करती है । मीना और गूंजा ने अपनी शिक्षा भी नीओ विजन से की स्कूल पूरा होने के बाद फाउंडेशन द्वारा बी.एस.सी एनीमेशन कर आज दोनों समाज को शिक्षा के प्रति जागरूक कर रही हैं ।वहीं मनीषा की बात करें तो वो भी नीओ विजन में छात्रा रह चुकी है । और अभी बी.ए की पढ़ाई कर रही है । साथ ही हर रोज शाम की क्लास में बच्चों को पढ़ाती है। तीनों बालिकाओं ने बेहद मेहनत कर अपनी पढ़ाई की और आज अपने नीओ विजन का भविष्य सवांरने की ओर कार्य कर रहे हैं। ताकि उनके जैसे और भी गरीब बच्चे, परिवार जागरूक होकर सकारत्मक राह पर चलें ।

नीओ विजन फाउंडेशन द्वारा पहल –

1– कुटुम्भ

कुटुम्भ ,नीओ विजन द्वारा एक कदम आगे बढ़ाया गया जिसमें की तमाम सकारात्मक विचारों वाले लोगों का समूह बनाया गया जो कि शिक्षा , नई पीढ़ी , पर्यायवरण आदि क्षेत्र में निष्ठावान होकर कार्य कर रहे हैं । साथ ही कई इस्टीट्यूशन्स , यूनिवर्सिटीज , संस्थानों और कश्वलेजों के साथ कार्यक्रम कर समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु कई विचारों पर कार्य किया जाता है ।

2 – ज्ञानोत्कर्ष

नीओ विजन द्वारा चलाया जाने वाला ज्ञानोत्कर्ष प्रोजेक्ट । जिसमें ध्यान दिया जाता है उन गरीब बच्चों पर , उन लोगों पर जो आज टेक्नोलश्वजी की इस दौड़ में कहीं बिछड़ते जा रहे हैं । नीओ विजन द्वारा ज्ञानोत्कर्ष प्रोजेक्ट के अंतर्गत कई नवयुवकों तथा युवतियों को फ्री कंप्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है । और साथ ही कंप्यूटर प्रशिक्षण के बाद ध्यान दिया जाता है कि आगे वो रोजगार से भी जुड़ें ।

3–स्कूल चलें हम

स्कूल चलें हम प्रोजेक्ट के अंतर्गत ध्यान दिया जाता है उन गरीब बच्चों पर जिनके परिवार को काम की तलाश मैं अलग अलग जगह जाना पड़ता है । प्रोजेक्ट के तहत ये देखा जाता है , कि बच्चा अपने परिवार के साथ कहीं भी जाये उसकी शिक्षा पर कोई असर न पड़े ।

4– उपहार (वाटिका विकास)

उपहार प्रोजेक्ट के अंतर्गत कुटुम्भ , ज्ञानोत्कर्ष , स्कूल चलें हम सभी प्रोजेक्ट के सदस्यों और बच्चों द्वारा वृक्ष लगाए जाते हैं । उन लोगों के साथ मिलकर जो हमसे जुड़कर शिक्षा , पर्यायवरण आदि के क्षेत्र में समाज में कार्य कर रहे हैं ।

5– हेल्पिंग हैंड्स

हेल्पिंग हैंड्स के तहत उन लोगों संग जुड़ना जो गरीब बच्चों के लिए कुछ करना चाहते हो । उसकी शिक्षा के लिए , उन्हें फाइनेंसियल सपोर्ट देने के लिए , कपड़े और खिलौने आदी उन बच्चों तक पहुंचाने के लिए हेल्पिंग हैंड प्रोजेक्ट कार्य करता है ।

6- नीओ नारी

8 मार्च 2022, अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के साथ नीओ विजन ने एक और कदम आगे बढ़ाया है, ''नीओ नारी'' महिलाओं को उड़ान देने की एक पहल, जिसकी मश्वनिटरिंग और संचालन मीना पासवान , सृष्टि बिष्ट और मनीषा पासवान द्वारा हर महीने एक सेशन के साथ किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत हर सेशन में नई गतिविधियों के प्रति महिलाओं को जानकारी देकर, और बेहतरीन कार्य करने वाली महिलाओं को पुरुस्—त किया जाता है। नीओ नारी के अंतर्गत कोशिश है, आगे चलकर महिलाओं को उनकी कला द्धसिलाई, बुनाई, कताई, रसोई ऋआदि के प्रति उन्हें आत्म निर्भरता की ओर बढ़ाया जाए ।

हमारा विजन ।

'समाज में सभी को शिक्षा का अधिकार है ।

'महिलाओं को भी शिक्षा का समान अधिकार है, हमारा प्रयास है हर महिला को शिक्षा देकर आत्मनिर्भर बनाना

'बाल मजदूरी बन्द कर उन्हें शिक्षा की ओर ले जाकर एक बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित करना ।

'नई पीढ़ी को हौंसला और साथ देकर उन्हें आगे बढ़ाना ।

'हर बच्चे की रुचि को जानकर उसे उसके क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना ।

'आत्मनिर्भरता की ओर ले जाना ।

'सकारात्मक मार्ग और सकारात्मक लोगों संग कार्य करना ।

हमारे नन्हे सितारे ।

शुभम पासवान

शुभम पासवान , कक्षा 8 में पढ़ने वाले होनहार छात्र है । शुभम का सपना है जश्वर्नलिस्ट बनना , वो आज से ही अपनेसपनोंकी उड़ान भरने के लिए दिन रात मेहनत करता है । देखते - देखते शुभम को पता चला कि उसे जश्वर्नलिस्ट बनने के लिए माइक की जरूरत है तो उसने खुद कार्ड बोर्ड , कागज से खुद का माइक बना डाला । इतनी छोटी सी उम्र मैं शुभम आत्मनिर्भरता को भली भांति समझ चुका है । हर दिन शुभम अपने सपने को पाने के लिए दिन रात मेहनत करता है ।

कुमकुम

कुमकुम का सपना है डश्वक्टर बनना, डश्वक्टर से जुड़ी हर जानकारी पाने के लिए वो उत्तेजित रहती है । आखिर इतनी छोटी उम्र में वो जान चुकी है कि उसकी नाव किस ओर जानी है । आज कुमकुम मेहनत कर हर शाल अच्छे प्रतिशत से पास होकर अपने सपनों की ओर कदम बढ़ाते जा रही है ।

मनीषा

मनीषा का सपना है पुलिस इंस्पेक्टर बनना, आज मनीषा अपने कॉलेज की पढ़ाई के साथ-साथ नीओ विजन की शाम की क्लास में बच्चों को भी पढ़ाती है । मनीषा का मानना है सपने सच होते है बस मेहनत और लगन होनी चाहिए । और छोटे बच्चों को भी मनीषा डेली अपने अंदर की खूबी पहचानने में मदद करती है । ताकि आगे चलके सब एक बेहतर भविष्य बना सकें ।

हमारे नन्हे सितारे ।

अवनी

अवनी नीओ विजन की सबसे छोटी छात्रा है, अभी बच्ची है उसे ये तो नही पता क्या बनना है मगर उसके जोश को देखकर सीखने को मिलता है । वो हर कला में माहिर है चाहे डांस हो या गाना, पेंटिंग हो या एक्टिंग कुछ भी कहो वो सब कुछ करके दिखाएगी। अवनी का जवाब बस हाँ ही होता है । ''हाँ मैं करूँगी''

चन्दन

चन्दन नीओ विजन के सीनियर्स में से है , चन्दन का सपना आर्मी अफसर बनना है, जिसके लिए वो दिन रात मेहनत करता है । आज चन्दन खुद से समझ चुके है उसके लिए क्या सही और क्या गलत है ।अपने साथ साथ वो छोटे बच्चों को भी खुद की काबिलियत पहचानने में मदद कर रहे हैं ।

''इसी प्रकार नीओ विजन के कई और नन्हे सितारे अपने सपनों की उड़ान भरने के लिए मेहनत कर रहे हैं''

नीओ विजन एक बड़ा परिवार बन चुका है ,
आशा करते हैं हमारा ये परिवार यूं ही बढ़ता जाए ।
नन्हे बच्चे यूं ही सपने देखते जाएं ।

We believe that everyone has the right to learn, educate and choose a respectable life for himself.